AAQ-001-001205 Seat No. _____

B. A. (Sem. II) (CBCS) Examination

April / May – 2016

Hindi (Main) : Paper - III

(आधुनिक हिन्दी काव्य (नहुष))

(Core) (New Course)

Faculty Code : 001

Subject Code : 001205

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : (१) सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

(२) MCQ के उत्तर उत्तरवही में ही लिखे ।

विभाग – I

१ सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए । २०

(१) 'नहुष' के कवि कौन है ?

(A) सीयारामशरण गुप्त (B) जगदीश गुप्त

(C) मैथिलीशरण गुप्त (D) अयोध्यासिंह उपाध्याय

(२) मैथिलीशरण गुप्त को किसने राष्ट्रकवि का बिरूद दिया ?

(A) रविन्द्रनाथ (B) महात्मा गाँधी

(C) महावीर प्रसाद द्विवेदी (D) सीयारामशरण गुप्त

(३) महाभारत में नहुष की कथा किस रूप में कही गई है ?

(A) नाटक (B) आख्यान

(C) विष्णुपुराण (D) उपाख्यान

(४) असुर त्रिसरा के भाई का नाम क्या था ?

(A) वृत्रासुर (B) बकासूर

(C) महीषासूर (D) ताड़कासूर

(५) 'नहुष' का प्रारंभ किससे होता है ?

(A) मंगलाचरण (B) गणेशदर्शन

(C) शिव स्तुति (D) प्रार्थना

(६) 'नहुष' खण्डकाव्य में कुल कितने सर्ग है ?

(A) तीन (B) पाँच

(C) सात (D) नव

(७) शचि को नहुष से डर लगता है क्योंकि वह.....

(A) ईन्द्र है (B) देवता है

(C) दानव है (D) मनुष्य है

(८) नारदजी शचि को चिंतामुक्त करने के लिए क्या करते हैं ?

(A) विनोद करते हैं (B) क्रोध करते हैं

(C) विणा बजाते हैं (D) आशीर्वाद देते हैं

(९) नहुष कौन था ?

(A) देव (B) दानव

(C) महामानव (D) ऋषि

(१०) नारदजी नहुष के किस गुण की तारीफ करते हैं ?

(A) उदारता (B) दानवीरता

(C) पुरुषार्थ (D) सच्चाई

(११) नहुष स्वर्गलोक से भी किसे श्रेष्ठ कहता है ?

(A) पृथ्वीलोक (B) पाताललोक

(C) नंदनवन (D) इन्द्रपुरी

(१२) 'नहुष' किस प्रकार का काव्य है ?

(A) महाकाव्य (B) खण्ड काव्य

(C) मुक्तक काव्य (D) चम्पू काव्य

(१३) कर्म के बिना ही फल पाने वाले पुरुष को उर्वशी क्या कहती है ?

(A) नारद (B) का–पुरुष

(C) चालाक (D) सच्चा पुरुष

(१४) 'स्वर्ग भोग' सर्ग में किसका वर्णन है ?

(A) शचि के सौंदर्य का (B) उर्वशी की दलीलों का

(C) नहुष की विलासीता का (D) अप्सराओं का

(१५) नहुष के विचारानुसार इन्द्राणी किसकी होनी चाहिए ?

(A) जो उससे शादी करे (B) जो उसे युद्ध में जीत ले

(C) जो इन्द्र हो (D) जिसे शचि अपना पति माने

(१६) नहुष शचि को किस रूप में प्राप्त करना चाहता है ?

(A) भामिनी (B) मानिनी

(C) दामिनी (D) कामिनी

(१७) शचि नहुष को क्या पहचानने को कहती है ?

(A) निज धर्म (B) निज कर्म

(C) निज धन (D) निज गृह

(१८) नहुष को शचि के इन्कार में क्या लगता है ?

(A) अपमान करना (B) मान करना

(C) अहंकार करना (D) रूठना

(१९) देवगुरु मंत्रणा के लिए किन्हे बुलाते हैं ?

(A) नहुष को (B) नारदजी को

(C) मुख्य देवों को (D) शचि को

(२०) जो कभी उठा ही नहीं वह....

(A) भला गीरेगा क्या ? (B) भला डरेगा क्या ?

(C) भला गीरना जाने क्या ? (D) भला उठेगा कैसे ?

विभाग – II

२ 'नहुष'काव्य का खण्डकाव्य के रूप में मूल्यांकन कीजिए । १०

अथवा

२ 'नहुष' काव्य की कथावस्तु लिखिए । १०

३ 'नहुष' का चरित्र–चित्रण कीजिए । १०

अथवा

३ 'नहुष' काव्य की भावपक्ष और कलापक्ष की दृष्टि से समीक्षा कीजिए । १०

४ टिप्पणी लिखिए : (किन्हीं दो)

(अ) 'नहुष' काव्य का उद्देश्य । ०८

अथवा

(अ) 'नहुष' काव्य का शीर्षक ।

(ब) 'नहुष' काव्य की भाषाशैली । ०८

अथवा

(ब) 'नहुष' काव्य में प्रकृति चित्रण ।

५ संक्षेप में उत्तर दीजिए : (किन्हीं दो) १४

(१) शचि का चरित्र चित्रण कीजिए ।

(२) नहुष शचि को कौन सा संदेश देता है ?

(३) 'नहुष' काव्य की राष्ट्रीयभावना स्पष्ट कीजिए ।

(४) नहुष काव्य में नारद की चारित्रिक विशेषताएँ बताइये ।